

I. खंड अ :

1. कहा
2. 1912
3. सूर्य + उदय
4. इक
5. गोदावरी की नहरें पूर्व की ओर बहती हैं।

II. खंड आ :

- 6). अ) लगातार वर्षा होने के कारण बाढ़ पीड़ितों की दशा बिगड़ रही थी।
 आ) C
 इ) C
 ई) B
- 7). अ) कविता के अनुसार मिलकर **प्रेम का दीप** जलाया जाना चाहिए।
 आ) B
 इ) B
 ई) A

III. खंड : इ

3X4=12

8. मैं ईश्वर की तुलना माँ से करना चाहूँगा। माँ हमें प्रेम, स्नेह और सुरक्षा देती है। वह हर कठिन परिस्थिति में हमारा साथ देती है। इसी प्रकार ईश्वर भी हमें शक्ति और सही मार्ग प्रदान करते हैं।
9. मुझे महारानी लक्ष्मीबाई का “मैं अपनी झाँसी नहीं दूँगी।” कथन बहुत अच्छा लगा। इस कथन में उनकी देशभक्ति और वीरता दिखाई देती है। उन्होंने अंग्रेजों के सामने झुकने से इनकार कर दिया। उनका साहस हमें देश की रक्षा के लिए प्रेरणा देता है।
10. हिंदी भारत की प्रमुख भाषाओं में से एक है। हिंदी हमारी संस्कृति, परंपराओं और भावनाओं को व्यक्त करने का माध्यम है। यह देश के विभिन्न लोगों को आपस में जोड़ने का कार्य करती है। हिंदी के माध्यम से हम अपनी साहित्यिक और सांस्कृतिक विरासत को आगे बढ़ाते हैं।
11. आंध्र प्रदेश में अनेक प्रमुख नदियाँ बहती हैं। कृष्णा और गोदावरी जैसी नदियाँ खेतों को पर्याप्त जल प्रदान करती हैं। इन नदियों के कारण यहाँ धान और अन्य फसलों की अच्छी पैदावार होती है। इसीलिए आंध्र प्रदेश को **भारत का धान्यागार** कहा जाता है।
12. अरुणा एक दयालु और ममतामयी लड़की थी। उसने बाढ़ पीड़ितों की कठिन स्थिति को देखकर उनकी सहायता करने का प्रयास किया। उसकी ममता और संवेदनशीलता से दूसरों के प्रति सेवा-भाव दिखाई देता है। अरुणा का व्यवहार हमें जरूरतमंदों की सहायता करने की प्रेरणा देता है।

IV खंड ई :

1 × 8 = 8

13 अ) परिचय : यह प्रश्न "भक्ति पद" पाठ से दिया गया है।

पाठ का नाम	: भक्ति पद (मीरा के पद)
कवयित्री	: मीराबाई
जीवनकाल	: सन् 1498 – सन् 1573
रचना	: मीराबाई पदावली
विशेष	: कृष्णोपासक कवयित्रियों में श्रेष्ठ

Hamari-hindi.com

विश्लेषण :

- मीराबाई कृष्ण की अनन्य भक्त थीं।
- उनकी भक्ति सगुण और माधुर्य भाव की थी।
- वे कहती हैं कि उन्हें ईश्वर के नाम रूपी अमूल्य धन प्राप्त हुआ है।
- यह धन उन्हें उनके सद्गुरु की कृपा से मिला है।
- उन्होंने संसार की मोह-माया छोड़कर सच्ची आध्यात्मिक संपत्ति प्राप्त की है।
- ईश्वर के नाम का यह धन कभी कम नहीं होता, बल्कि दिन-प्रतिदिन बढ़ता जाता है।
- इसे कोई चोर चुरा नहीं सकता।
- सद्गुरु के मार्गदर्शन से मनुष्य जीवन रूपी भवसागर को पार कर सकता है।
- इस पद में मीराबाई की कृष्ण-भक्ति और गुरु की महिमा का सुंदर वर्णन है।

विशेषता : सद्गुरु के मार्गदर्शन से मनुष्य जीवन रूपी भवसागर को सरलता से पार कर सकता है।

इस पद में मीराबाई ने ईश्वर के नाम रूपी धन को सबसे श्रेष्ठ बताया है तथा कृष्ण के प्रति अपनी अटूट भक्ति को व्यक्त किया है।

(अथवा)

आ) परिचय: यह प्रश्न “अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर हिंदी” पाठ से दिया गया है। यह पत्र-लेखन विधा का पाठ है।

पाठ का नाम	: अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर हिंदी
विधा	: पत्र-लेखन

सारांश : ◦ हिंदी भारत की सांस्कृतिक धरोहर और राष्ट्रीय एकता की महत्वपूर्ण भाषा है।

- विभिन्न राज्यों के लोग हिंदी के माध्यम से आसानी से विचारों का आदान-प्रदान करते हैं।
- हिंदी अनेकता में एकता का प्रतीक है और देश को जोड़ने वाली सशक्त कड़ी है।
- महात्मा गाँधी जी ने हिंदी के प्रचार-प्रसार पर बल दिया था।
- 14 सितंबर को हिंदी दिवस और 10 जनवरी को विश्व हिंदी दिवस मनाया जाता है।
- हिंदी आज विश्व के अनेक देशों में बोली, पढ़ी और समझी जाती है।
- फिल्म, गीत, नाटक और मीडिया के माध्यम से हिंदी जन-जन तक पहुँचती है।

उपसंहार: अतः हिंदी राष्ट्रीय एकता, अखंडता और सांस्कृतिक पहचान को सुदृढ़ बनाने वाली महत्वपूर्ण भाषा है।